


भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्रसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 113] नई दिल्ली, मंगलवार, जून 17, 1975/ज्येष्ठ 27, 1897

No. 113] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 17, 1975/JYAISTHA 27, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 17th June 1975

SUBJECT.—Deregistration of Exporters.

No. 50-ITC(PN)/75.—Attention is invited to the provisions regarding registration and de-registration of exporters as laid down in paras 106—108 in Chapter V of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1975-76.

2. In the aforesaid provisions, in para 107, after the existing sub-para (2), the following new sub-para may be added :—

“(3) Where the Chief Controller of Imports & Exports is satisfied that an exporter has failed, for inadequate reasons, to comply with the terms of an export contract as regards the quality and specification of the goods to be exported or the period of delivery or in any other respect, he may, without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, direct the registering authority to de-register such exporter for a specified or indefinite period and in respect of a particular export product or products or all the export products covered by the import policy for Registered Exporters; provided that no such action shall be taken unless the exporter has been given an opportunity of being heard in the matter.”

3. The corresponding provisions in para 15, Part ‘E’, Section I of the Import Trade Control Policy (Red Book—Vol. II) for April 1975—March 1976, may also be deemed to have been amended accordingly.

B. D. KUMAR,
Chief Controller of Imports and Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 17 जून, 1975

विषय.—निर्यातकों का विपंजीकरण।

सं० 30-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75.—आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक, 1975-76 के अध्याय 5 में पैरा 106-108 में निर्यातकों के पंजीकरण और विपंजीकरण के सम्बन्ध में निर्धारित परन्तुकों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2. पूर्वोक्त परन्तुकों में पैरा 107 में विद्यमान उप-पैरा (2) के बाद निम्नलिखित उप-पैरा जोड़ा जाए :—

“(3) जिस मामले में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात इस बात से संतुष्ट हो कि निर्यात किए जाने वाले माल के गुण तथा विशिष्टीकरण के सम्बन्ध में या वितरण अवधि के सम्बन्ध में या अन्य किसी सम्बन्ध में एक निर्यातक, न्यूनकारणों से, निर्यात संविदा की शर्तों का अनुपालन करने में असफल रहा है तो ऐसी अवस्था कार्रवाई जो इस सम्बन्ध में की जा सकती है, को ध्यान में रख बिना वह ऐसे निर्यातक को निश्चित या अनिश्चित अवधि के लिए और पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति में शामिल किसी विशेष निर्यात उत्पादन या उत्पादों या सभी निर्यात उत्पादों के सम्बन्ध में ऐसे निर्यातक को विपंजीकृत करने के लिए पंजीकरण करने वाले प्राधिकारी को निर्देश दे सकता है परन्तु इस की यह शर्त होगी कि सुनाई के लिए निर्यातक को सुअवसर प्रदान किए बिना ऐसी कार्रवाई नहीं की जाएगी।”

3. अप्रैल 1975-मार्च, 1976 की आयात व्यापार नियंत्रण नीति (रेड बुक भा० 2) के खंड 1, भाग 'ई' पैरा 15 में संगत परन्तुक भी तदनुसार संशोधित किए गए समझे जाएं।

बी० डी० कुमार,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।